सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

01 सितम्बर 2025
- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 207
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा
5 सितंबर तक स्थगित

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी रेड व ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा को 5 सितंबर 2025 तक स्थगित कर

❑गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने दी जानकारी

दिया गया है।

यह जानकारी गढ़वाल मंडल आयुक्त, विनय शंकर पांडे द्वारा दी गयी है। गढ़वाल मंडल आयुक्त ने बताया कि मौसम की गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में हो रहे भूस्खलन, रास्तों के क्षतिग्रस्त होने और बारिश के कारण बढ़े खतरे को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे फिलहाल यात्रा स्थलों की ओर रुख न करें और स्थानीय प्रशासन व मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करें। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि जैसे ही मौसम की स्थिति सामान्य होगी और रास्ते सुरक्षित होंगे, यात्रा को पुन: शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

विदित हो कि बीती रात से राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश चल रही है। जिसके कारण जहां कई सड़कों पर मलबा आने से वह बंद हो चुकी है तो कहीं भूस्खलन के चलते दुकान, मकानों व अन्य जगहों को भारी नुकसान पहुंचा है। जिसके चलते सभी स्थानों पर आवाजाही दूर्भर हो चुकी है। इसके चलते शासन की ओर से चारधाम व हेमकुंड यात्रा 5 सितम्बर तक के लिए स्थगित कर दी गयी है।

बोलेरो पर गिरा मलवा 2 की मौत, 3 गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मुनकटिया में आज सुबह एक बुलोरो वाहन के ऊपर अचानक मलवा आ जाने से जहां दो लोगों की मौत हो गयी वहीं छह लोग घायल हुए है। वाहन में 8 लोग सवार बताये जा रहे है। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ ने त्वरित मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां से तीन लोगों की

❑वाहन में सवार थे 8 लोग, बाकी घायलों का उपचार जारी

हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह तकरीबन साढ़े सात बजे मुनकटिया लैंडस्लाइड जोन में एक बुलोरो वाहन अचानक पहाड़ से आये मलबे की चपेट में आ गया। वाहन में 8 व्यक्ति सवार थे जिनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि छह लोग घायल हो गये। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाकर मृतकों व घायलों को बाहर निकाला और सोनप्रयाग अस्पताल पहुंचाया। जहां तीन की हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है।

घायलों के नाम मोहित चौहान पुत्र उपेन्द्र चौहान, नवीन सिह रावत पुत्र जयेन्द्र सिंह रावत निवासी बडकोट उत्तरकाशी (गम्भीर घायल), प्रतिभा पुत्री गिरवीर सिंह निवासी बडकोट उत्तरकाशी (गम्भीर घायल), ममता पुत्री चेन सिंह निवासी बडकोट उत्तरकाशी (गम्भीर घायल), राजेश्वरी पत्नी नवीन निवासी उत्तरकाशी, पंकज पुत्र हुकम सिंह निवासी कोकमल्ला नन्दानगर चमोली (वाहन चालक) वही मृतकों की पहचान रीता पत्नी उदय सिंह निवासी बडकोट उत्तरकाशी व चन्द्र सिंह पुत्र कलम सिंह निवासी बडकोट उत्तरकाशी के रूप में की गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

देवभूमि में महिला सुरक्षा

राष्ट्रीय महिला सुरक्षा पर जो ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट आई है वह उत्तराखंड के शासन-प्रशासन के आंखें खोलने वाली है। इस सूची में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का नंबर उन 10 प्रमुख शहरों की सूची में है जहां महिलाएं स्वयं को सबसे अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। इस स्थिति के पीछे क्या कारण है यह अलग मुद्दा है। पुलिस-प्रशासन इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए क्या कुछ कर रहा है यह भी एक अलग विषय है। उदाहरण के तौर पर आईएसबीटी परिसर पर एक किशोरी के साथ घटित हुई सामूहिक बलात्कार की घटना हो या फिर वनंत्रा रिजार्ट में काम करने वाली उस अंकिता भंडारी की हत्या की जिसको देह व्यापार में झौंकने की कोशिश आरोपियों द्वारा की गई थी तथा इस केस को लेकर देहरादून ही नहीं पूरे प्रदेश में अभी तक आंदोलन नहीं थम रहा है। अभी हमने गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र में सूबे की कानून व्यवस्था पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष को जमकर हंगामा करते देखा था। तथा विपक्ष द्वारा राज्य भर में महिलाओं के यौन शोषण और शारीरिक उत्पीड़न के दर्जनों मामले गिनाते हुए सरकार से सवाल पूछे गये थे कि बलात्कार से लेकर भर्तियों तक में धांधली से लेकर तमाम आपराधिक घटनाओं में भाजपा के नेताओं हुआ कार्यकर्ताओं के नाम ही क्यों आते हैं? राज्य में जब भी ऐसी कोई घटना होती है तो उसकी गूंज लंबे समय तक रहती है और इसकी जानकारी हर आम आदमी तक पहुंचती है। और समाज में इससे असुरक्षा का भाव पैदा होना स्वाभाविक है। लंबे समय से राज्य में और देहरादून तथा हरिद्वार व ऋषिकेश में तमाम ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जो वास्तव में डराने वाली थी। भले ही पुलिस प्रशासन द्वारा इन घटनाओं के दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम किया गया हो, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के सवालों से जुड़ी इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही है और उन पर अंकुश नहीं लग सका है। ऋषिकेश और हरिद्वार में बीते समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जो जनमानस के जहन को झकझोर देने वाली रही है। इन महिलाओं की सुरक्षा का सवाल सिर्फ सड़क और उनके कार्य स्थल तक ही सीमित नहीं रहा है वह अपने ही घरों में अपनों से असुरक्षित महसूस करती हैं, इसमें कोई संदेह की बात नहीं है। उदाहरण के तौर पर आप हरिद्वार की एक भाजपा नेत्री जो अपनी नाबालिक बेटी का शारीरिक शोषण अपने पुरुष मित्रों से कराने के आरोप में जेल में बंद है, देख सकते हैं। जब एक बेटी अपनी ही मां पर भरोसा न कर सके तो ऐसे समाज में हम किसी महिला सुरक्षा की बात कैसे कर सकते हैं। इनमें सड़क में चलने पर बदमाश अगर महिलाओं से मोबाइल फोन या उनके गले की चेन झपटकर भाग जाते हैं तो यह तो बहुत ही मामूली सी बात है। सरकार का नारा है कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ऐसी स्थिति में सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेवारी है कि वह महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करें। लेकिन यहां तो वह खुद ही महिलाओं की असुरक्षा का कारण बने हुए हैं। सरकार द्वारा राज्य में यूसीसी लागू करने पर खूब अपनी पीठ थपथपाई जा रही है कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जो यूसीसी लागू करने वाला राज्य है। वही इसमें लिव इन को मान्यता दिए जाने को लेकर खुद उत्तराखंड के लोग ही सवाल उठा रहे हैं कि सरकार अपनी ही बेटियों को लिव इन में रहने की मान्यता देकर देवभूमि की संस्कृति के साथ कैसा खिलवाड़ कर रही है भले ही इस सर्वे से सूबे के नेता व अधिकारी इत्तेफाक न रखते हो लेकिन महिला सुरक्षा और देवभूमि की संस्कृति व सभ्यता से जुड़े इस सवाल पर और अधिक गंभीर होने की जरूरत है।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दर्शाता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। BRICS देशों के बीच रुपया आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है।भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है।

अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र-दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजलख्र में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यत: कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की क्षमता 217 GW पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

(लेखक विकास क्षेत्र से जुड़े एक समाजशास्त्री हैं।)

नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने किया सभी चिन्हित वेंडिंग जोन का निरीक्षण

संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी गम्भीर सिंह तालियान ने सभी चिन्हित वेंडिंग जोन का निरीक्षण किया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा पूर्व के चिन्हित सभी वेंडिंग जोन को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को प्रचलित करते जिलाधिकारी मयूर दीक्षित नगर आयुक्त नंदन कुमार के संयुक्त निर्देश में वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर सिंह तालियान द्वारा नगर निगम फेरी समिति के सदस्य संजय चोपड़ा के सहयोग से रोड़ी बेल वाला, दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग मार्ग प्रथम वेंडिंग जोन ललतारो पुल, पंतदीप पार्किंग ,भीमगोडा ,खड़खड़ी, भूपतवाला, पवन धाम, सप्तऋषि इत्यादि

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने किया वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का नौवां एवं दसवां वृक्षारोपण अभियान राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बड़ोवाला तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, झिवारेडी में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 70 से अधिक वृक्ष रोपित किए गए। रोपित किए गए वृक्षों में गुलमोहर, कनेर, चंपा, बॉटल ब्रश, केसिया सामिया, बेलपत्र, पिलखन इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

आज का वृक्षारोपण अभियान हमारी समिति के सदस्य श्री अनुराग शर्मा जी की पूजनीय माता जी को श्रद्धांजलि दिए जाने हेतु था जिनका पिछले सप्ताह स्वर्गवास हो गया था। आज लगाए गए सभी वृक्ष पूजनीय माता जी की याद में

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

राजकीय इंटर कॉलेज के सुधारीकरण /मरम्मत को मोर्चा मिला प्रमुख अभियंता से

संवाददाता

देहरादून। राकीय इंटर कॉलेज के सुधारीकरण व मरम्मत के लिए मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता से मिला।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता सुभाष पांडे से मुलाकात कर राजकीय इंटर कॉलेज, डाकपत्थर के जर्जर एवं खंडहर में तब्दील होते भवन के सुधारीकरण मरम्मत आदि मामले में ज्ञापन सौंपा। पांडे ने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। वर्तमान में लगभग 500 छात्र-छात्राएं यहां अध्ययनरत हैं, जबकि पूर्व में छात्र संख्या 1500-2000 तक रहती थी। बजट और देखरेख के अभाव में विद्यालय भवन खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। विद्यालय भवन की जर्जर हालत को देखते हुए अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालय अथवा किसी अन्यत्र विद्यालय में भेजने को मजबूर हैं। विद्यालय सिंचाई विभाग के अधीन है, लेकिन विभाग द्वारा उपेक्षा बरते जाने के कारण मरम्मत व रख-रखाव नहीं हो पाया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य शंकर दयाल वर्मा ने बताया कि मरम्मत आदि के नाम पर साल दो साल में कभी कभार 20-25 हजार रुपए ही मुहैया कराए जाते हैं, जोकि नाकाफी है। नेगी ने कहा कि विद्यालय की यह स्थिति छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है, जिसके चलते छात्र संख्या लगातार घट रही है। विद्यालय को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मोर्चा को भरोसा है कि जल्द ही विद्यालय की मरम्मत, साज-सज्जा और सुधारीकरण का कार्य होगा।

प्रतिनिधि मंडल में मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा पिन्नी थे।

किसी भी तरह की साड़ी पहनते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला को सुंदर दिखाता है। हालांकि, साड़ी पहनते समय कई महिलाएं कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे उनका लुक बिगड़ जाता है। चाहे वह बनारसी साड़ी हो या कांजीवरम, हर साड़ी को सही तरीके से पहनना जरूरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप साड़ी पहनते समय ध्यान रख सकती हैं और हर बार बेहतरीन दिख सकती हैं।

सही ब्लाउज चुनें : साड़ी के साथ सही ब्लाउज का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आपकी साड़ी भारी कढ़ाई वाली है तो हल्का ब्लाउज पहनें और हल्की कढ़ाई वाली साड़ी के साथ भारी ब्लाउज पहनें। इससे आपका लुक संतुलित रहेगा और आप ज्यादा आकर्षक दिखेंगी। इसके अलावा ब्लाउज का रंग भी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए ताकि आपका पूरा लुक एकसार लगे और आप हर मौके पर खास दिख सकें।

पेटीकोट फिटिंग पर ध्यान दें : पेटीकोट की फिटिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर पेटीकोट ढीला होगा तो साड़ी ठीक से नहीं बंधेगी और आपका लुक खराब हो जाएगा। इसलिए हमेशा सही फिटिंग वाला पेटीकोट ही चुनें। इसके अलावा पेटीकोट का रंग भी आपकी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए ताकि वह दिखने में एकसार लगे। सही फिटिंग और मेल खाता रंग आपकी साड़ी को और भी खूबसूरत बनाएगा और आपका पूरा लुक खास दिखेगा।

पल्लू की ड्रेपिंग सही रखें : पल्लू की ड्रेपिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर आप बनारसी या कांजीवरम साड़ी पहन रही हैं तो पल्लू को कंधे पर अच्छे से फॉल्ड करें ताकि वह खुल न सके और अच्छा दिखे। इसके लिए आप पल्लू को थोड़ा टाइट बांध सकती हैं या साड़ी पिन का उपयोग कर सकती हैं। इसके अलावा पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाते समय उसे सही तरीके से मोड़ें ताकि वह हर दिशा से अच्छा दिखे।

फुटवियर्स का चयन सोच-समझकर करें : फुटवियर्स का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आरामदायक हों और आपकी ऊंचाई के अनुसार मेल खाती हों। अगर आपकी साड़ी भारी होती है तो ऊंची हील्स पहनें ताकि आपका लुक संतुलित रहे, वहीं अगर आप रोजमर्रा की साड़ी पहन रही हैं तो फ्लैट्स या ब्लॉक हील्स का चयन करें ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा फुटवियर्स का रंग भी आपकी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए।

गहनों का मेल खाता होना चाहिए : गहनों का चयन करते समय यह सुनिश्चित करें कि वे आपकी साड़ी से मेल खाते हों। भारी कढ़ाई वाली बनारसी या कांजीवरम साड़ी के साथ बड़े झुमके या भारी गले का हार अच्छे लगते हैं, जबकि हल्की कढ़ाई वाली साड़ी के साथ छोटे झुमके या पतली चूड़ियां पहन सकती हैं। इन सरल लेकिन असरदार सुझावों को अपनाकर आप हर बार साड़ी पहनते समय खुद को खास महसूस कर सकती हैं और हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं।(आरएनएस)

बागी 4 में नजर आई टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू की सिजलिंग केमिस्ट्री

बागी 4 के निर्माताओं ने फिल्म का एक और धमाकेदार गाना बहली सोहनी रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के हॉट मूव्ज और हरनाज के सिजलिंग डांस ने फैंस का दिल जीत लिया है।

टाइगर श्रॉफ ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म बागी 4 के लेटेस्ट गाने बहली सोहनी को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, जब धड़कन कम हो जाती है... और वाइब हिट हो जाता है.. यह अब केवल संगीत नहीं है - यह बहली सोहनी है। सॉन्ग आउट हो गया है। 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टाइगर और हरनाज के फैंस को उनका यह गाना शानदार लग रहा है। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, शानदार, एक और फैन ने लिखा, जबरदस्त डांस, तो वहीं कई फैंस ने लाल दिल वाले और फायर इमोजी बनाए हैं।

टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू अभिनीत बागी 4 का बहली सोहनी अभी कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इस गाने में हरनाज और टाइगर के जबरदस्त हुक स्टेप्स देखने को मिले। इससे पहले फिल्म का गाना गुजारा रिलीज हुआ था। गुजारा में हरनाज और टाइगर का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला था। पांच साल के ब्रेक के बाद बागी फ्रैंचाइजी अपनी चौथी किस्त लेकर आ रही है। इस बार फिल्म में भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। साजिद नाडियावाला की इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अलावा सोनम बाजवा, हरनाज संधू और संजय दत्त मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए. हर्ष ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऊंची हील के जूते चप्पल पहनना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है

आजकल फैशन के चलते ऊंची हील के फुटवेअर पहनना आम बात है। किसी पार्टी या शादी में इस तरह के फुटवेअर पहनना तो ठीक है, लेकिन रोज की दिनचर्या में ऊंची हील के जूते चप्पल पहनना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसके अलावा आपको पैरों के साथ-साथ शरीर के अन्य हिस्सों में भी दर्द की समस्या हो सकती है। इसके लिए कुछ सावधानियां रखना बेहद आवश्यक है। आइए जानते हैं कुछ उपाय जो आपको ऊंची हील्स के दर्द से छुटकारा दिला सकते हैं -

तकलीफ से बचने के लिए आप फुट कुशन्स का प्रयोग कर सकते हैं,यह एक बेहतरीन विकल्प है। इन्हें जूते या सैंडिल के अंदरूनी हिस्से में लगाकर आप पैरों को अतिरिक्त तकलीफ देने से बच जाएंगे।

बाजार में उपलब्ध बैंडऐड ब्लिस्टर ब्लॉक का प्रयोग भी आप कर सकते हैं। यह आसानी से आपके पर्स में भी आ जाता है। यह पैरों की उन जगहों पर असर करता है, जहां फफोले पड़ने की संभावना होती है।

बाजार में सिलिकॉन से बने जैल इन्सर्ट भी उपलब्ध हैं जिनका इस्तेमाल कर आप ऊंची हील से होने वाली तकलीफों से बच सकते हैं। यह काफी आरामदायक होते हैं, जिन्हें पहनने के बाद आपको दर्द का अहसास नहीं होता।

कई बार टाइट या कसे हुए जूते चप्पल पहनने से आपके पैर पर निशान बन जाते हैं, जो बाद में बहुत तकलीफ देते हैं। इनसे बचने के लिए आप जूते पहनने से पहले पैर के उन स्थानों पर टेप चिपका सकते हैं, जहां ये निशान बनने की संभावना होती है। इससे कसाव भी महसूस नहीं होगा और निशान भी नहीं पड़ेंगे।

पैर के पंजे वाले भाग के नीचे आप जूते या सैंडिल में फोम, रूई या कोई सूती कपड़े का टुकड़ा रख सकते हैं, जिससे चलने में आज सहज रहें और पैरों में दर्द की समस्या अधिक न हो।

योग, स्ट्रेचिंग तथा पैरों के व्यायाम को अनिवार्य तौर पर दिनचर्या में शामिल करें जिससे रक्त का संचार अच्छे से हो।

प्रतिदिन हल्के गर्म पानी में एप्सोम नमक डालकर पैर डुबोएं। इससे रक्त वाहिनियां खुलेंगी और पैर की त्वचा जल्दी ठीक होगी।हो सके तो किसी आरोमा तेल का प्रयोग करें, जिससे आप रिलैक्स महसूस करें।

डिप्रेशन दूर करने में गजब का कारगर हल्दी और नींबू का ये उपाय

इन दिनों अधिकांश लोग डिप्रेशन यानी कि अवसाद से ग्रस्त हो रहे है। भागदौड़ भरी जिंदगी में तरह-तरह के तनाव से हर दूसरा व्यक्ति घिरा है। इन सभी के बीच इंसान का मानसिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ रहना मुश्किल हो जाता है। कई लोग डिप्रेशन की समस्या से जूझते हैं, जिसका इलाज बेहद आवश्यक है।

इलाज के तौर पर मनोविशेषज्ञ की सलाह लेने और अन्य दवाओं का सेवन करने के बजाए पहले इन घरेलू तरीकों को आजमाकर देखें, जो आसानी से

डिप्रेशन जैसी समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम है। इन तरीकों में हल्दी और नींबू आपके लिए बेहद मददगार साबित होंगे। एक रिसर्च के अनुसार हल्दी अल्जाइमर, पर्किंसन, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल की तरह ही डिप्रेशन के इलाज के लिए भी बेहद असरदार है। यह एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व, एंटी बायोटिक और एंटीडिप्रेसेंट तत्वों से भरपूर है, जिसका फायदा आपको डिप्रेशन से निजात पाने में मिलेगा।

जानिए कैसे करें हल्दी और नींबू का उपयोग - 1) एक जग में 4 कप पानी लेकर इसमें 1 नींबू का रस, दो बड़े चम्मच हल्दी पाउडर, 4 बड़े चम्मच शहद या मेपल सीरप डालकर इन्हें अच्छी तरह से मिक्स करें। 2) इस मिश्रण का सेवन अपनी सुविधा के अनुसार करें। आप चाहें तो इसे दिन में दो या तीन बार ले सकते हैं। इसका सेवन करना आपके डिप्रेशन को जादुई तरीके से कम करता है।

जानें सलाद खाने का सही तरीका

सलाद हेल्दी डायट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह वेट लॉस करने के साथ ही पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है।

डायटिशन डॉ पूनम तिवारी कहती हैं, सलाद इम्यूनिटी बेहतर बनाने में मदद करता है। सलाद के जरिए विटमिंस, मिनरल्स के साथ-साथ शरीर में होने वाली फाइबर की कमी भी पूरी होती है। सलाद सेहत के लिए भी अच्छा है लेकिन करीब 80 फीसदी लोग यह नहीं जानते कि सलाद खाने का सही तरीका क्या है? और सलाद में क्या खाएं और क्या नहीं। यहां डालें सलाद से जुड़ी अहम बातों पर एक नजर...

ताजा ही खाएं

सलाद हमेशा ताजा कटा हुआ ही खाएं। दुकानों में पहले से काटकर रखा गया सलाद खाने से सेहत को कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि काफी पहले कटे होने के कारण सब्जियों के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

फ्रूट सलाद ऐसे खाएं

फ्रूट सलाद एक मील की तरह खाएं। नाश्ते और चाय के बाद और लंच से पहले लगने वाली छोटी भूख को शांत करने के लिए आप फ्रूट सलाद खा सकते हैं। फ्रूट सलाद ना तो डिनर से पहले खाएं और ना ही बाद में, दोनों ही कंडीशन में यह आपको नुकसान पहुंचाता है।

ऐसा सलाद न खाएं

सुपर मार्केट में मिलने वाली फैंसी चीजों को मिलाकर सलाद बनाने का तरीका बिल्कुल ठीक नहीं है क्योंकि कैन बंद सब्जियां और फल प्रेजर्वेटिव्स व नमक से भरे होते हैं और उन्हें खाने से सेहत को फायदे की बजाय नुकसान ही होगा।

स्प्राउट खाते हुए रखें ध्यान

स्प्राउट सलाद को खाने की तरह नहीं खाना चाहिए बल्कि आप इसे मिड-डे मील की तरह खाएं। तभी यह आपके लिए हेल्दी बनेगा। स्प्राउट के साथ आप खीरा, टमाटर, ऊबले हुए आलू और प्याज भी डाल सकते हैं।

खाने संग न खाएं सलाद

सलाद खाना खाने के साथ बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इससे पेट फूलने या ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। सलाद में मेयोनीज, केचअप जैसी चीजें मिलाकर न खाएं। ये उसके पोषक तत्वों को खत्म कर देता है। सलाद में केवल नमक और नींबू का रस मिलाएं।

आत्मनिर्भरता के मंसूबे पर पानी फिरता

देश में तिलहन के घटते रकबे के चलते कुछ विशेषज्ञों ने शंका जताई है कि भारत 2030-31 तक खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य को शायद ही हासिल कर पाए।

खाद्य तेलों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने 2030-31 तक देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2.54 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन किसानों की प्राथमिकताएं बदलते जाने से इस मंसूबे पर पानी फिरता दिखलाई पड़ रहा है।

इस खरीफ सीजन में सोयाबीन और मूंगफली जैसी तिलहन फसलों की कम रकबे में बुआई हुई है। आकलन है कि इन फसलों के रकबे में इस बार करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई है।

बीते वर्ष तिलहन फसलों की बुआई 161 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की गई थी, जो घट कर 156 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रह गई है। सोयाबीन की बुआई में भी छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

बुआई का यह रुख स्पष्ट रूप से किसानों की प्राथमिकताओं में परिवर्तन का संकेत है, जो यकीनन खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा अवरोधक होगा। भारत खाद्य तेलों की अपनी कुल खपत का करीब 60 प्रतिशत आयात करता है, और इसी आंकड़े के चलते भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है।

बीते वर्ष भारत ने 1,41,950 करोड़ रुपये से ज्यादा का खाद्य तेल आयात किया था। 2003-04 में खाद्य तेलों का आयात 44 लाख टन था, जो अब बढ़ कर 1.6 करोड़ टन पर पहुंच चुका है। दरअसल, किसानों की प्राथमिकताएं बदलना आने वाले समय में भारत में खाद्य तेल परिदृश्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। किसान अब तिलहन की उपज लेने की बजाय मक्का जैसी नकदी फसल को तरजीह दे रहे हैं। इसलिए कि मक्के की उपज में लागत के मुकाबले लाभ ज्यादा है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिशश्रकी नीति ने पिछले चार-पांच वर्षों में मक्का के दाम को करीब-करीब दोगुना कर दिया है। पशु चारा और सस्ते प्रोटीनयुक्त खाद्य उद्योग में भी मक्का की मांग तेजी से बढ़ी है। इसलिए किसान तिलहन की फसल पर मक्का की पैदावार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेशक, इससे तिलहन का घरेलू उत्पादन उत्तरोत्तर घट सकता है। शंका है कि मौजूदा रुझान जारी रहा तो अगले छह-सात वर्षों में भारत का खाद्य तेल आयात दो करोड़ टन से भी ज्यादा हो सकता है, और आत्मनिर्भरता के मंसूबे पर तो पानी ही फिर जाएगा। (आरएनएस)

डिप्रेशन दूर करने में गजब का कारगर हल्दी और नींबू का ये उपाय

इन दिनों अधिकांश लोग डिप्रेशन यानी कि अवसाद से ग्रस्त हो रहे है। भागदौड़ भरी जिंदगी में तरह-तरह के तनाव से हर दूसरा व्यक्ति घिरा है। इन सभी के बीच इंसान का मानसिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ रहना मुश्किल हो जाता है। कई लोग डिप्रेशन की समस्या से जूझते हैं, जिसका इलाज बेहद आवश्यक है। इलाज के तौर पर मनोविशेषज्ञ की सलाह लेने और अन्य दवाओं का सेवन करने के बजाए पहले इन घरेलू तरीकों को आजमाकर देखें, जो आसानी से डिप्रेशन जैसी समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम है। इन तरीकों में हल्दी और नींबू आपके लिए बेहद मददगार साबित होंगे।

एक रिसर्च के अनुसार हल्दी अल्जाइमर, पर्किंसन, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल की तरह ही डिप्रेशन के इलाज के लिए भी बेहद असरदार है। यह एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व, एंटी बायोटिक और एंटीडिप्रेसेंट तत्वों से भरपूर है, जिसका फायदा आपको डिप्रेशन से निजात पाने में मिलेगा।

जानिए कैसे करें हल्दी और नींबू का उपयोग -1) एक जग में 4 कप पानी लेकर इसमें 1 नींबू का रस, दो बड़े चम्मच हल्दी पाउडर, 4 बड़े चम्मच शहद या मेपल सीरप डालकर इन्हें अच्छी तरह से मिक्स करें। 2) इस मिश्रण का सेवन अपनी सुविधा के अनुसार करें। आप चाहें तो इसे दिन में दो या तीन बार ले सकते हैं। इसका सेवन करना आपके डिप्रेशन को जादुई तरीके से कम करता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

स्ट्रेटनिंग के बाद भी उलझे रहते हैं बाल? सीधे बनाए रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

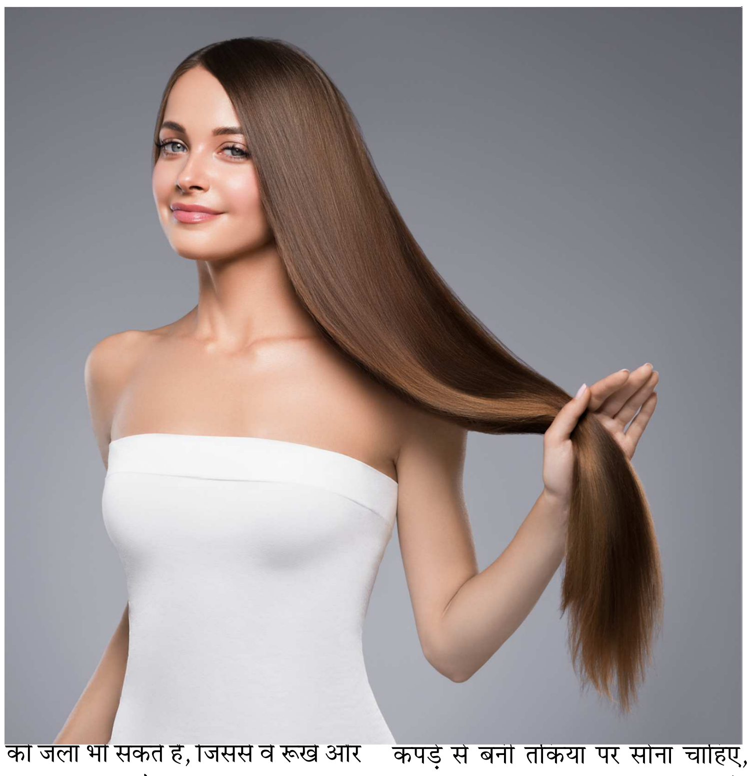

जिन महिलाओं के बाल घुंघराले होते हैं, वे उन्हें सीधे करने का प्रयास करती हैं। इसके लिए वे स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करती हैं, जो गर्मी पैदा करके बालों को सीधा करने वाला उपकरण होता है। कई बार बालों को सीधा करने के बाद भी वे उलझे हुए, रूखे और वेवी नजर आते हैं। इससे पूरा लुक ही बिगड़ जाता है। ऐसे में अगर आप स्ट्रेटनिंग करने के बाद बालों को सीधा बनाए रखना चाहती हैं तो ये टिप्स काम आएंगी।

स्ट्रेटनिंग के बाद हेयर स्प्रे और सीरम छिड़कें

बालों को सीधा करने के लिए केवल स्ट्रेटनर इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। अगर आप स्ट्रेटनिंग करने से पहले बालों की देखभाल पर ध्यान नहीं देंगी तो वे कुछ ही देर बाद रूखे हो जाएंगे। बाल सीधे करने से पहले हेयर प्रोटेक्टिंग सीरम इस्तेमाल करें, ताकि आपके बाल जलें न। स्ट्रेटनिंग के तुरंत बाद बालों पर एक अच्छी गुणवत्ता वाला हेयर स्प्रे या सीरम लगा लें। इन उत्पादों की मदद से वे उलझेंगे नहीं और चमक भी बनी रहेगी।

बालों में पसीना न आने दें

नमी और गर्मी के चलते बालों में पसीना आना शुरू हो जाता है। इससे बाल गीले हो जाते हैं और सीधे नहीं रहते। इससे बचने के लिए, तभी बाल सीधे करें जब आपको किसी खास जगह जाना हो। बालों को सीधा करने के बाद कोई भी ऐसी गतिविधि करने से बचें, जिसके कारण पसीना निकल सकता है। इसके अलावा, ऐसे स्थान पर बैठें, जहां ज्यादा गर्मी और आद्रता न हो।

अच्छी गुणवत्ता वाले स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करें

बालों को सीधा करने के लिए आपको सस्ते स्ट्रेटनर इस्तेमाल नहीं करने चाहिए। इससे बाल अच्छी तरह सीधे नहीं हो पाते और कुछ ही घंटों में पहले जैसे दिखने लगते हैं। इतना ही नहीं, सस्ते स्ट्रेटनर बालों को जला भी सकते हैं, जिससे वे रूखे और बेजान बन जाते हैं। आपको अच्छी गुणवत्ता वाले स्ट्रेटनर में निवेश करना चाहिए। ऐसा स्ट्रेटनर खरीदें, जिसमें सुरक्षात्मक उत्पादों की परत भी लगी हो।

ज्यादा हवा न लगने दें

बालों को सीधा करने के बाद स्कूटी या बाइक पर सवारी करने की गलती बिलकुल न करें। इससे बालों में हवा लग सकती है, जिससे वे बुरी तरह उलझ सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे सीधे नहीं रह जाते और दोबारा घुंघराले हो जाते हैं। बाल सीधे करने के बाद उनमें हवा न लगने दें और साटन स्कार्फ का इस्तेमाल करके उन्हें ढीला बांध लें। रबर बैंड आदि से बांधने पर भी बाल सीधे नहीं रह जाएंगे।

बालों को साटन के कपड़े में लपेटकर सोएं

अगर आपने किसी अवसर से एक रात पहले अपने बाल सीधे किए हैं तो उन्हें खुला रखकर न सोएं। इससे वे बुरी तरह उलझ जाएंगे और सुबह तक सीधे नहीं रहेंगे। आपको बाल सीधे करने के बाद साटन कपड़े से बने तकिया पर सोना चाहिए, क्योंकि वह बालों को उलझने से बचाता है। इसके अलावा, अपने बालों को साटन के स्कार्फ में लपेटकर सोएं, जिससे वे अगले दिन तक बिलकुल सीधे ही रहेंगे।

शब्द सामर्थ्य -

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

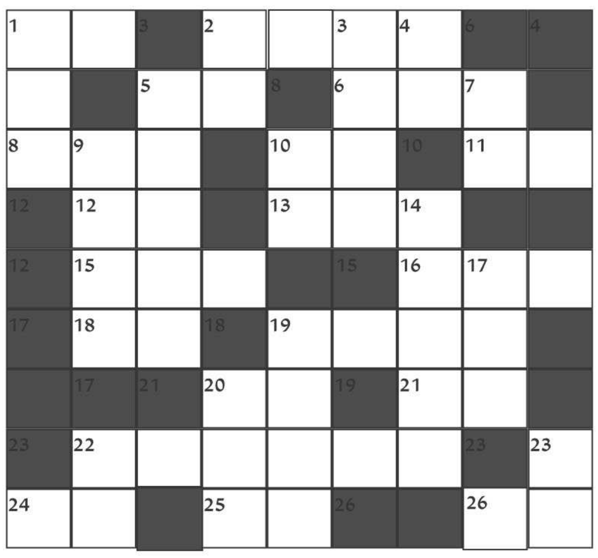

स्वा	द	2	सा	म	ना	3	कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट	8	ना	क	क	ट	ना
बी	10	प			11	ड़ी	13	प
14	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो		20	र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	24
म	क	र		सी	ल		26	21
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

द बंगाल फाइल्स : रोंगटे खड़े कर देगा एक-एक सीन

भारतीय सिनेमा के बेहतरीन फिल्ममेकर में से एक विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों से चर्चा में रहते हैं। अब वे अपनी ट्रुथ-टेलिंग ट्रिलॉजी पूरी करने वाले हैं, फिल्म द बंगाल फाइल्स के साथ, जो भारत के इतिहास का एक लंबे समय तक छिपा रहा अध्याय सामने लाएगी। काफी इंतजार के बाद, विवेक इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। लेकिन ट्रेलर लॉन्च में शामिल दर्शकों के लिए एक खास सरप्राइज भी है, दरअसल ट्रेलर से पहले 15 मिनट का एक्सक्लूसिव कट भी दिखाया गया।

यह खास प्रीव्यू, जिसे विवेक पहले फिल्म के अमेरिका प्रीमियर में दर्शकों को दिखा चुके हैं, अब भारत में भी आने वाला है। इस वीडियो कट में बंगाल की असली तस्वीरें दिखीं, जो इलाके की अनकही कहानियां और छिपे सच सामने लाने का काम करती है। 15 मिनट का यह सेगमेंट दर्शकों को फिल्म की कहानी में गहराई से झांकने का मौका देगा और उन्हें उस जोरदार और खुलासों भरी कहानी की समझ देगा जिसे वे देखने वाले हैं। यह द बंगाल फाइल्स के मूड को सेट करने के साथ-साथ पूरे ट्रेलर लॉन्च के लिए उत्साह भी बढ़ाया था।

जब से द बंगाल फाइल्स का टीज़र आया है, फिल्म पूरे देश में चर्चा में है। कुछ सीन में काली माँ की मूर्ति को भट्टी में जलते दिखाने के कारण विवाद हुआ। इसके चलते कई एफआईआर दर्ज हुई, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के सदस्य शामिल थे। फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री, प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल और अभिनेत्री-प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी पर फिल्म में विवादित कंटेंट दिखाने के आरोप लगे, लेकिन हाई कोर्ट ने बीच में हस्तक्षेप किया और सभी एफआईआर पर रोक लगा दी, जिससे फिल्म का प्रमोशन जारी रखा जा सका। इस विवाद ने लोगों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है, और अब दर्शक ट्रेलर देखने के लिए और उत्साहित हैं।

द बंगाल फाइल्स को लिखा और डायरेक्ट किया है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने, जबकि प्रोडक्शन की कमान अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने संभाली है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार जैसे दमदार कलाकार नजर आने वाले हैं। ये फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा द्वारा प्रस्तुत और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें पहले ही द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स जैसे चर्चित प्रोजेक्ट शामिल हैं। फिल्म 5 सितंबर 2०25 को थिएटर्स में दस्तक देगी।

दिव्या खोसला कुमार की एक चतुर नार का ट्रेलर जारी, 12 सितंबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड की जानी-मानी निर्देशक, फिल्म निर्माता और अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। इस थ्रिलर फिल्म के लिए दिव्या के साथ अभिनेता नील नितिन मुकेश नजर आएंगे। एक चतुर नार के निर्देशन की कमान उमेश शुक्ला ने संभाली है, जिन्हें 1०2 नॉट आउट और ओएमजी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। एक चतुर नार का ट्रेलर रिलीज हो गया है। निर्माताओं ने इसकी जानकारी देते हुए लिखा, ट्रेलर का असली मजा सिर्फ बड़े पर्दे पर। एक चतुर नार का ट्रेलर वॉर 2 के साथ सिर्फ सिनेमाघरों में देखें। फिल्म का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें दिव्या और नील की झलक दिख रही है। यह फिल्म 12 सितंबर, 2०25 को रिलीज होगी। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नील और दिव्या एक दम अलग अवतार में दिखाई देंगे। टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने निर्देशित किया है। एक चतुर नार' 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एसजे सूर्या की पैन इंडिया फिल्म किलर का फर्स्ट लुक जारी

एसजे सूर्या अपनी नई फिल्म किलर के साथ निर्देशन में वापसी कर रहे हैं, जिसमें वे मुख्य भूमिका भी निभाएंगे। उन्होंने इस फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद भी खुद लिखे हैं। किलर का निर्माण सूर्या के अपने प्रोडक्शन हाउस, एंजेल स्टूडियोज़ और श्री गोकुलम मूवीज़ द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व अनुभवी निर्माता गोकुलम गोपालन कर रहे हैं। इस फिल्म के सह-निर्माता वीसी प्रवीण और बैजू गोपालन हैं, जबकि कृष्णमूर्ति कार्यकारी निर्माता हैं।

प्रीति असरानी इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री हैं। पोस्टर के पहले लुक में एसजे सूर्या एक उग्र और स्टाइलिश अवतार में नज़र आ रहे हैं, एक हाथ में बंदूक लिए हुए और दूसरे हाथ में फिल्म की मुख्य अभिनेत्री प्रीति असरानी। लाल साड़ी पहने और गुलाबों का गुलदस्ता लिए हुए, प्रीति बेहद आकर्षक और लाजवाब लग रही हैं। दोनों मुख्य कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री तुरंत ध्यान खींच लेती है।

अकादमी पुरस्कार विजेता संगीत निर्देशक ए.आर. रहमान को फिल्म का संगीत तैयार करने के लिए शामिल किया गया है, और उनका शामिल होना संगीत के महत्व को दर्शाता है। किलर को एक बड़े पैमाने की फिल्म के रूप में योजनाबद्ध किया गया है और इसे पांच भाषाओं में रिलीज किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में दर्शकों से जुड़ना है। शूटिंग अभी प्रगति पर है और कलाकारों तथा क्रू के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

20 साल के करियर में बनी मैं हर किरदार की मास्टर: रेजिना कैसेंड्रा

जाट, साकिनी-डाकिनी और केसरी चैप्टर-2 में अभिनय करने वाली रेजिना कैसेंड्रा ने इंडस्ट्री में गुजारे 2० साल को बेहतरीन बताया है। उनके मुताबिक सफर देखने में जितना हसीन है, दरअसल, वैसा था नहीं। इसी साल उनकी दो बड़ी फिल्में केसरी-चैप्टर टू और जाट, रिलीज हुईं। दोनों ही किरदार एक दूजे से एकदम जुदा। एक्ट्रेस के अंदाज को इंडस्ट्री के नामदार पसंद करने लगे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अलग-अलग भाषाओं में काम करने के खूबसूरत मौके मिले। बोलीं, मेरा सिने सफर काफी शानदार रहा है। मुझे अलग-अलग भाषाओं में काम करने के मौके मिले हैं, इसके लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। अब, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुशी होती है। लेकिन मेरे लिए यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। कई बार मुझे खुद पर शक होता था कि मैं खुद को और दूसरों की उम्मीदों पर खरी भी उतर पाऊंगी कि नहीं। क्योंकि तब मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मेरे लिए चीजें बिल्कुल अलग थीं।

अभिनेत्री ने बताया कि कई समय तक उन्हें ये लगता रहा था कि काश उनका कोई मेंटर होता, लेकिन फिर उन्होंने खुद ही हर चीज सीखी और अपने अनुभवों से आगे बढ़ीं।

रेजिना ने कहा, आज मैं अपने इस सफर के लिए बहुत आभारी हूं, जो मैं आज हूं। मेरे काम और उससे मिली चुनौतियों ने मुझे बेहतर इंसान बनाया। मैं हमेशा से एक ऐसी अभिनेत्री बनना चाहती थी जो हर तरह का किरदार निभा सके- चाहे वह गर्ल नेक्स्ट डोर (पड़ोस की सीधी लड़की), भोली-भाली, साइको, ड्रग एडिक्ट, लेस्बियन गर्ल, या कोई और। मैं हर किरदार निभाना चाहती हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे किसी एक तरह के रोल में बांधा नहीं गया, और इसी वजह से मैं खुद को और बेहतर कलाकार बना पाई हूं।

सवाल कि, वह खुद को कैसे परिभाषित करेंगी? पर उन्होंने कहा, इस पागलपन में भी एक तरीका होता है, बस आपको उसके साथ चलते चले जाना होता है।

उन्होंने आगे कहा, ये सब इस पर भी निर्भर करता है कि प्रोजेक्ट और सेटअप कैसा है। वहां का माहौल शांत है या फिर बहुत उलझा हुआ है। आप इसे सिर्फ भाषा के आधार पर नहीं बांट सकते। हालांकि, साउथ के डायरेक्टर्स ज्यादातर रिलेटेबल स्टोरी बनाना पसंद करते हैं। बॉलीवुड में अभिनेताओं को स्टार बनाने पर ज्यादा फोकस किया जाता है।

अनीता हसनंदानी ने दोस्त ऐश्वर्या खरे का लिया पक्ष

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो छोरियां चाली गांव को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो में अभिनेत्री ने दोस्ती की मिसाल पेश की। हालिया एपिसोड में अनीता ने अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे की गैरमौजूदगी में उनका पक्ष लेते हुए कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी।

शो के नए एपिसोड में एरिका पैकर्ड ने अपनी सबसे करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे को ही बाहर करने का फैसला लिया। यह फैसला सभी के लिए चौंकाने वाला था, खासकर अनीता के लिए, क्योंकि दो एपिसोड पहले ही एरिका ने ऐश्वर्या को अपनी सब कुछ बताया था।

खास बात यह है कि जब एरिका ने यह फैसला तब सुनाया, जब ऐश्वर्या वहां मौजूद नहीं थीं। अनीता ने अपनी दोस्त की अनुपस्थिति में उनका पक्ष लिया और कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी।

अनीता का मानना है कि अगर ऐश्वर्या वहां होतीं, तो वह खुद अपनी बात रखतीं। अनीता के अलावा शो के होस्ट रणविजय ने भी ऐश्वर्या का समर्थन किया।

इसके बाद ऐश्वर्या को अपने नामांकन के बारे में पता चला, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह जगह हर तरफ से आपकी परीक्षा लेती है।

बता दें, लेटेस्ट एपिसोड में वोटिंग राउंड के दौरान ऐश्वर्या ने एरिका का नाम लिया था ताकि वो बसेरा की मालकिन बन सकें।

ऐश्वर्या ने कहा, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे का साथ देते थे। ये सब तो बस एक खेल का हिस्सा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। जब नोमिनेशन में एरिका ने मेरा नाम लिया, तो मुझे ये सब बदला लगा। उसके पास और भी नाम थे, लेकिन उसने फिर भी मेरा नाम चुना, जिससे पता चलता।

इस बीच, एरिका ने भी अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा, यह गेम की एक रणनीति थी और आगे बढ़ने के लिए जरूरी भी था।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

अजीत द्विवेदी

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब एक गधे की आत्मकथा' का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है- एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गईं? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है।

भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो!

बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है एक गधे की आत्मकथा'। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है!

राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिळ्ळै प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है। यह काम चुनाव आयुक्त निर्देश देकर नहीं कराते हैं। बिहार में एसआईआर के पहले चरण के बाद जितनी शिकायतें सामने आई हैं उनको देख कर यही लग रहा है कि नीचे के कर्मचारियों की लापरवाही से कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। ध्यान रहे एक सितंबर से 18 सितंबर के बीच सिर्फ 45 हजार शिकायतें आयोग को मिली हैं। यह काटे गए 65 लाख नामों के एक फीसदी से भी कम है।

तभी कुल मिला कर विपक्ष की कहानी में दम नहीं दिख रहा है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में दुनिया भर की गड़बड़ियां हुई हैं। बूथ लेवल अधिकारियों ने घर में बैठ कर मनमाने तरीके से फॉर्म भरे हैं और उन्हें जमा करा दिया है। लेकिन क्या पहले भी इसी तरह से मतदाता सूची नहीं बनती थी? क्या पहले इसी तरह से आधार नहीं बने हैं, क्या इसी तरह से जनगणना नहीं होती है और क्या इसी तरह से बिहार में जाति गणना के फॉर्म नहीं भरे गए थे? बिहार या कहीं के लोगों को इससे कोई मतलब नहीं है कि प्रक्रिया क्या रही। अंत नतीजा यह है कि सवा सात करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। अब उनको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि कैसे किसका नाम आया और कैसे किसका नाम कट गया। अगर 65 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जिनमें कुछ नाम गलत तरीके से कट गए हैं तो उनसे भी बाकी लोगों को कोई मतलब नहीं है। उनके पास समय भी है कि वे फॉर्म छह भर कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। लेकिन विपक्षी पार्टियों को क्या कहा जाए? उनको लगता है कि बिहार आंदोलन की धरती है तो किसी भी बात पर आंदोलन हो जाएगा। ऐसे नहीं होता है। आंदोलन के लिए मुद्दा भी होना चाहिए और नेता भी जरूरी है। इस बार दोनों नहीं हैं। हर हार के बाद राहुल गांधी और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता कभी ईवीएम को दोष देते हैं तो कभी मतदाता सूची में गड़बड़ी को तो कभी चुनाव आयोग की धांधली को। इसमें भी समस्या नहीं है। विपक्ष को ऐसे आरोप लगाने चाहिए। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब विपक्षी पार्टियां सचमुच मानने लगती हैं कि वे किसी धांधली या गड़बड़ी से हारी हैं और अगर गड़बड़ी नहीं होती तो वे चुनाव जीत जाते। क्या सचमुच विपक्ष की हार का मामला इतना सरल है? हो सकता है कि कुछ गड़बड़ियां होती हों लेकिन विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण हैं और भाजपा की जीत सिर्फ चुनावी धांधली की वजह से नहीं है। जहां तक व्यवस्था में गड़बड़ी का सवाल है तो उस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत ज्यादा खराब है। इस पर चर्चा करेंगे।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए महिलाएं

प्रियंका सौरभ

शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई-लिखाई की जगह नहीं होते, बल्कि समाज का आईना और भविष्य का निर्माण स्थल होते हैं। यहां का वातावरण सीधे तौर पर बच्चों की सोच, शिक्षकों की प्रेरणा और पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।

एक स्वस्थ और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना कि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें, किसी भी संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाल के वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां महिला शिक्षिकाओं ने अपने ही सहयोगियों या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार, अशोभनीय संदेश और निजी तौर पर अनुचित हरकतों की शिकायत की है। देशभर से समय-समय पर ऐसी खबरें आती रही हैं-कभी खाली पीरियड में एकांत में लंबी बातचीत, कभी व्यक्तिगत नंबर पर अनावश्यक और निजी संदेश, कभी नजर और शब्दों से अपमानजनक संकेत, तो कभी काम में मदद या पदोन्नति के बदले अनुचित मांग। ये सब केवल व्यक्तिगत आचरण की गड़बड़ी नहीं हैं, बल्कि कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को तोड़ने वाली गंभीर प्रवृत्तियां हैं। ऐसी घटनाएं केवल एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि पूरे वातावरण को विषैला बना देती हैं। असुरक्षा का भाव महिला शिक्षिकाओं के आत्मविास को कमजोर करता है।

महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत में यौन उत्पीड़न (कार्यस्थल पर) अधिनियम, 2013 यानी पॉश अधिनियम' लागू है। इसके तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जिसकी अध्यक्ष महिला हो और आधे से अधिक सदस्य महिलाएं हों। शिकायत दर्ज होने पर सात कार्य दिवस में प्रारंभिक सुनवाई और नब्बे दिनों में जांच पूरी करनी होती है। दोषी पाए जाने पर प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। शिकायतकर्ता के साथ किसी भी प्रकार के प्रतिशोध को रोकना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से, अनेक स्थानों पर यह समिति केवल कागजों में ही सीमित रहती है।

समाधान केवल सजा देने में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम हर शैक्षणिक संस्थान में तुरंत लागू किए जाने चाहिए। महिला शिक्षिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित स्टाफ रूम होना चाहिए, ताकि वे अपने कार्य से जुड़ी चर्चाएं और आवश्यक बातचीत आराम से कर सकें। महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था हो। परिसर के प्रमुख स्थानों, गलियारों, प्रवेश-द्वारों, खेल के मैदान और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और वे हमेशा सक्रिय रहें। फुटेज को कम से कम नब्बे दिनों तक सुरक्षित रखा जाए और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही उसकी पहुंच हो।

खाली पीरियड में महिला और पुरु ष शिक्षक अपने-अपने स्टाफ रूम में ही रहें। बिना किसी औपचारिक कार्य के, एकांत में लंबे समय तक बैठना या बातचीत करना प्रतिबंधित हो। शिक्षकों और सहकर्मियों के बीच निजी संदेश केवल कार्य संबंधी हों और वह भी कार्य समय में ही भेजे जाएं।

संस्थान में ऐसा गोपनीय तंत्र हो जहां पीड़ित बिना डर और शर्म के शिकायत दर्ज करा सके। यह ऑनलाइन पोर्टल, सीलबंद शिकायत बॉक्स या हेल्पलाइन नंबर के रूप में हो सकता है। शिकायत आने पर तुरंत जांच हो, आरोपी और पीड़ित को अलग किया जाए और दोषी पाए जाने पर बिना देरी कड़ी कार्रवाई की जाए।

शिकायतकर्ता की गोपनीयता की रक्षा संस्थान की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। महिला सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मामला नहीं है, यह सामाजिक सोच का भी मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि कार्यस्थल पर सम्मान, मर्यादा और सीमाएं क्या होती हैं। स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता और आत्मसम्मान पर आधारित विशेष कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए।

समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की गरिमा का प्रश्न है। सुरक्षित कैंपस और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की विसनीयता का आधार है। यह केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का मुद्दा है जो अपने कार्यस्थल को गरिमा और मर्यादा से भरपूर देखना चाहता है।

अगर हम अब भी चुप रहे तो अगली घटना का इंतजार करना पड़ेगा और तब तक किसी का आत्मविश्वास, किसी का करियर और किसी की जिंदगी बर्बाद हो चुकी होगी।

अब समय है चुप्पी तोड़ने का-नियम बनाने का, उन्हें कड़ाई से लागू करने का और हर शैक्षणिक संस्थान को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने का। यह हर शिक्षक, हर कर्मचारी, हर छात्र और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तभी हम आने वाली पीढ़ी को न केवल किताबों का ज्ञान, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सीख-सम्मान और सुरक्षा-भी दे पाएंगे।

वेंकटेश पेड्डापलेम वन/4 के साथ हीरो के रूप में चमके

तेजस गुंजाल फिल्म्स और रोहित गुंजाल फिल्म्स के बैनर तले बनी एक्शन से भरपूर क्राइम ड्रामा वन/4 इस सितंबर में बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। इस फिल्म में वेंकटेश पेड्डापलेम, अपर्णा मलिक और हीना सोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। वन/4 का निर्देशन बाहुबली पलानी के ने किया है, जिन्होंने इससे पहले ब्लॉकबस्टर बाहुबली में सहयोगी निर्देशक के रूप में काम किया था। इस परियोजना का निर्माण रंजन राजेश गुंजल और रोहित रामदास गुंजल ने संयुक्त रूप से किया है। शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन दोनों पूरा होने के बाद, वन/4 की पहली कॉपी अब तैयार है। सेंसर की औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, टीम सितंबर में सिनेमाघरों में इसकी भव्य रिलीज़ की तैयारी कर रही है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक और निर्माताओं ने बताया, वन/4 एक एक्शन क्राइम ड्रामा है, जिसकी पूरी शूटिंग विशाखापत्तनम में हुई है। हमारी कहानी एक छोटी सी गलती के परिणामों और उसके बाद होने वाले संघर्षों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक ताज़ा और आकर्षक कहानी है जो रोमांचकारी तत्वों और ज़बरदस्त क्राइम-एक्शन दृश्यों से भरपूर है। उन्होंने आगे कहा, हमने टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर टीज़र और गाने पहले ही रिलीज़ कर दिए हैं, जिन्हें ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। हम दर्शकों को एक अनोखे और अद्भुत अनुभव का वादा करते हैं और फ़िल्म को सितंबर में रिलीज़ करेंगे।

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी में दम्पत्ति के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। नौकरी लगवाने के नाम पर पांच लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने दम्पत्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमणवाला निवासी परवेज अंसारी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान इन्द्रलोक विहार हरिद्वार रोड निवासी अमन शर्मा व उसकी पत्नी हिमानी शर्मा के साथ हुई। दोनों ने उसको बताया कि उसकी सचिवालय में अधिकारियों से अच्छी पहचान है। अगर किसी को नौकरी पर लगवाना हो तो बताना। जिसके बाद उसने उनको अपनी नौकरी की बात कहीं तो उन्होंने उसको बताया कि कुछ खर्चा होगा। जिसके बाद दोनों पति पत्नी ने उससे समय-समय पर नौकरी के नाम पर पांच लाख 35 हजार रूपये लिये। जिसके बाद ना तो उसकी नौकरी लगी और ना ही उसको उसके रूपये वापस किये गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंदिर से जेवरात व दानपात्र चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मंदिर से जेवरात व दानपात्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकुण्डा मंदिर फलसुआ पुन्नीवाला के अध्यक्ष विजेन्द्र तिवाडी ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह जब वह मंदिर पहुंचा तो उसने देखा कि मंदिर का ताला टूटा हुआ था। मंदिर के अन्दर से मूर्ति के जेवरात व दानपात्र गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने मद्रासी कालोनी के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम नीतू पत्नी जीत सिंह निवासी मद्रासी कालोनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने... ◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

सभी सदस्यों ने मिलकर लगाए और 2 मिनट का सबने मौन रखा। समिति द्वारा आने वाले सितम्बर महीने में देहरादून कारागार तथा केंद्रीय विद्यालय, भारतीय सैन्य एकेडमी में किए जाएंगे। उसके अलावा नदी के तट पर बांस के 100 वृक्ष भी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, सचिव जे पी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, गगन चावला, हर्षवर्धन जमलोकी, मंजुला रावत, नितिन कुमार, अमरनाथ कुमार, दिवाकर नैथानी, मनोज श्रीवास्तव, टीका थापा, सुंदर शुक्ला, शामिल रहे।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने किया सभी... ◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

क्षेत्रों के चिन्हित वेंडिंग जोन का नगर निगम प्रशासन की संयुक्त कमेटी के साथ मौका मुयाना निरीक्षण कर स्थानीय लघु व्यापारियों से आगामी मंगलवार तक सर्व परिचय पत्र वह अन्य साक्ष्य के साथ नगर निगम में उपस्थित होने के के आदेश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी अतिक्रमण अभियान के प्रभारी अधिकारी गंभीर सिंह तालियान ने कहा जिलाधिकारी नगर आयुक्त के संयुक्त निर्देशन में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार पूर्व के चिन्हित सभी वेंडिंग जोन का प्रत्यक्ष रूप से मौका मुयाना का निरीक्षण किया जा रहा है। आगामी सप्ताह तक नगर निगम में सभी पंजीकृत रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को अपने सभी साक्ष्य के साथ नगर निगम में उपस्थित होने के आदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा शीघ्र ही जिलाधिकारी आयुक्त को वस्तु स्थिति से अवगत कराकर अग्रिम उचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन का सभी फेरी समिति के सदस्य पूर्ण रूप से सहयोग कर रहे हैं और आगामी चरण में शहरी क्षेत्र के वेंडिंग जोन का भी मौका मिलना निरीक्षण कर पूर्व की फेरी समिति की बैठक के निर्णय का क्रियांनवन किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा सभी चिन्हित वेंडिंग जोन के निरीक्षण के दौरान आधिकारिक रूप से सिटी मेंशन मैनेजर अंकित सिंह रमोला लिपिक शिव प्रकाश चौहान निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी के साथ फेरी समिति सदस्य राजकुमार, कमल सिंह, मोनू तोमर, सुमन गुप्ता, आशा कश्यप, पूनम माखन, कमल शर्मा, वीरेंद्र, मोहनलाल, श्याम कुमार, ओमप्रकाश कालियान, राम बहादुर, चंदन सिंह रावत, बालवीर गुप्ता आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सीएम धामी ने खटीमा गोलीकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक सितम्बर को खटीमा में उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के शहीद आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के दौरान शहीद हुए आन्दोलनकारियों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये और उनके आश्रितों तथा राज्य आन्दोलनकारियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उत्तराखंड राज्य आन्दोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों भगवान सिंह सिरौला, प्रताप सिंह, रामपाल, सलीम अहमद, गोपीचंद, धर्मानन्द भट्ट और परमजीत सिंह को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का हर नागरिक इन सभी वीर सपूतों का सदैव ऋणी रहेगा। राज्य आन्दोलन के अपने अनुभवों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कि इस घटना ने लोगों को उत्तराखंड के अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। हम सभी मिलकर उनके सपनों के उत्तराखंड का निर्माण करें, यही उनके लिए हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के लिए राज्य सरकार की नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है। शहीद आंदोलनकारियों के परिवारों के लिए 3 हजार रुपये मासिक पेंशन की सुविधा भी शुरू की है, साथ ही घायल और जेल गए आंदोलनकारियों को 6000 रुपये और सक्रिय आंदोलनकारियों को 4500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। नए कानून के अंतर्गत चिह्नित आंदोलनकारियों की परित्यक्ता, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों को भी इस आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों को पहचान पत्र जारी करने के साथ ही 93 आंदोलनकारियों को राजकीय सेवा में सेवायोजित भी किया है। आंदोलनकारियों को सरकारी बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के आंदोलन में नारी शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, उन्होंने आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया। राज्य निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका को देखते हुए ही राज्य सरकार ने राज्य की महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है।

राज्य के समग्र विकास के साथ ही प्रदेश के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उत्तराखंड ने देश में सबसे पहले "समान नागरिक संहिता" को लागू किया है। देश का सबसे प्रभावी नकल विरोधी कानून लागू किया है, जिसके बाद लगभग 24 हजार से अधिक युवाओं ने सरकारी नौकरियां पाने में सफलता प्राप्त की है। सरकार देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी को बचाए रखने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानूनों लागू किया गया है। 7 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को हिमालय बचाओ अभियान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हिमालय के पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक भुवन कापड़ी, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, दर्जा राज्य मंत्री डॉ.अनिल कपूर डब्बू, सुभाष बर्थवाल, फरजाना बेगम, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, दान सिंह रावत, नंदन सिंह खड़ायत, जीवन सिंह धामी, गोपाल सिंह राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, डीएफओ हिमांशु बागरी, एडीएम पंकज उपाध्याय सहित अनेक जनप्रतिनिधि, राज्य आंदोलनकारी एवं जनता मौजूद थी।

उत्तराखण्ड वीरों व राष्ट्रभक्तों की भूमि हैः जोशी

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड वीरों व राष्ट्रभक्तों की भूमि है।

आज यहां बालावाला स्थित वेडिंग प्वाइंट में 14वीं बटालियन गढ़वाल राइफल्स का 50वां स्थापना दिवस कार्यक्रम में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही वीर नारियों और वीरता पदक प्राप्त पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान सभी ने हिमालय बचाओ अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। अपने संबोधन में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सभी पूर्व सैनिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उन्हें भी 14वीं बटालियन गढ़वाल राइफल्स में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था और आज वे जहाँ हैं, उसके पीछे उनकी सैनिक पृष्ठभूमि की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि गढ़वाल राइफल्स वीरता की मिसाल है और उत्तराखंड वीरों व राष्ट्रभक्तों की भूमि है। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने कहा कि देश की सेना में लगभग 17.5 प्रतिशत सैनिक उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सैनिकों के प्रति विशेष लगाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित वन रैंक वन पेंशन की मांग को मोदी सरकार ने पूरा किया। राज्य सरकार द्वारा भी पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जनपद स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और शहीदों के परिवार से एक सदस्य को नौकरी देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप देहरादून में भव्य सैन्यधाम का निर्माण प्रगति पर है, जिसका शीघ्र ही लोकार्पण किया जाएगा। इस दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने संगठन के पूर्व अध्यक्ष रहे स्वर्गीय कैप्टन धनीराम नैनवाल को भी स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह सैन्यधाम उत्तराखण्ड की वीरभूमि और हमारे शहीदों के पराक्रम का प्रतीक बनेगा। जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों एवं उनकी आश्रित विधवाओं की पेंशन को बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 650 पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को इस पेंशन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सैनिकों के सम्मान और हितों की रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष उमानंद जोशी, कर्नल हरि सिंह चौधरी, पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह बिष्ट, सूबेदार पूरण चंद्र, बाल सिंह जुयाल, कै.त्रिलोक सिंह, लक्ष्मी तोमर, सुलोचना पूर्व सैनिक वीर नारिया उपस्थित रही।

सेवानिवृत्त कुलपति से करोड़ों की साइबर ठगी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। सेवानिवृत्त कुलपति से करोड़ों की साइबर ठगी मामले में एसटीएफ की साइबर कुमांऊ परिक्षेत्र की टीम द्वारा एक शातिर को सोलन हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त कुलपति नैनीताल निवासी पीड़ित ने अगस्त माह में साइबर क्राइम थाने में शिकायत करते हुए बताया गया कि अगस्त 2025 में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा स्वयं को महाराष्ट्र साईबर क्राईम विभाग से बताते हुए पीडित के नाम पर खुले बैंक खाते में मनी लॉड्रिंग के तहत 60 करोड रूपये के लेनदेन होने की बात कही गयी थी जिसके लिये पीडित के खातों का वैरिफिकेशन कराये जाने हेतु

व्हाटसप कॉल पर ही पीडित को "डिजिटली अरेस्ट" करते हुए 12 दिनों में विभिन्न खातों में कुल 1.47 करोड की धनराशि धोखाधडीपूर्वक जमा करायी गयी। मामले में साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन, कुमाऊँ परिक्षेत्र द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों / व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचाकर कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित को डिजिटली अरेस्ट कर विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानान्तरित करवायी गयी । प्राप्त डेटा के विश्लेषण से पुलिस टीम द्वारा मुकदमें में प्रकाश में आए बैंक खातों तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन किया गया जिसमं सामने आये एक

❑डिजिटल अरेस्ट कर की गयी थी साइबर धोखाधड़ी

आरोपी राजेन्द्र कुमार पुत्र सोमनाथ हाल पता फ्लैट न. 2 ब्लाक 15 लीली अपार्टमेंट अमरावती बद्दी जिला सोलन हिमाचल प्रदेश स्थायी पता ग्राम लक्खीबंस थाना रादौर जिला यमुनानगर हरियाणा को चिन्हित करते हुए उसे सोलन हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से 3 मोबाईल फोन, 3 सिम कार्ड, 2 चैक बुक सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

आरोपी द्वारा पीडिता को महाराष्ट्र राज्य के साईबर क्राईम विभाग का अधिकारी बताकर महाराष्ट्र में ही गिरफ्तार एक अन्य व्यक्ति के केस में पीडिता के नाम पर खुले केनरा बैंक के खाते में मनी लॉड्रिंग के तहत 60 करोड की धनराशि प्राप्त होने की बात कही गयी, जिसके लिये पीड़िता को व्हाटसप कॉल के माध्यम से लगातार सम्पर्क में रहने तथा किसी भी व्यक्ति के सम्पर्क में नहीं रहने की हिदायत अपराधियों द्वारा दी जाती थी, व्हाटसअप कॉल पर ही बैंक खातों के वैरिफिकेशन किये जाने को बोला जाता था, जिसके लिये साईबर अपराधियों द्वारा पीडित को डरा धमकाकर हाउस अरेस्ट /डिजिटल अरेस्ट होने की बात कहते हुए व्हाटसप कॉल के माध्यम से लगातार सम्पर्क में बने रहने की बात कहीं जाती थी।

मुख्यमंत्री ने किया राज्य के पहले साथी केंद्र का शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं आईआईटी कानपुर के संयुक्त प्रयास के द्वारा साथी केंद्र उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर साथी केंद्र का शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं, खटीमा गोलीकांड की 31वीं बरसी के अवसर पर उत्तराखंड राज्य निर्माण में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सभी अमर बलिदानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए अत्यंत भावुक पल है कि मुझे 'खटीमा गोलीकांड' जैसी वीभत्स घटना की बरसी के अवसर पर आईआईटी कानपुर के सहयोग से हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा में राज्य के प्रथम 'साथी केन्द्र' का शुभारंभ करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं, इस केंद्र को हमारे सभी आंदोलनकारियों को समर्पित करता हूं। उन्होंने खटीमा को 'साथी केंद्र' की इस विशिष्ट सौगात देने के लिए सभी खटीमा वासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके माध्यम से, आज आईआईटी और आईआईएससी जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं के प्रोफेसर ऑनलाइन क्लासेज द्वारा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवा रहे हैं। आज ये प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, मेडिकल, बैंकिंग, रेलवे और क्लैट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों और निर्धन परिवारों के विद्यार्थियों सहित अन्य सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य कल्याण परिवार कल्याण मंत्री धन सिंह रावत, सांसद अजय भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, दर्जा राज्य मंत्री अनिल कपूर डब्बू, फरजाना बेगम, नंदन सिंह खड़ायत, जीवन सिंह धामी, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, सहित कई लोग मौजूद रहे।

भारी बरसात के कारण केदारनाथ हाईवे बांसवाड़ा के पास बाधित

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे पर बांसवाड़ा के पास भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र नासूर बना हुआ है। यहां बार-बार मार्ग के खुलने एवं बाधित होने की आंख मिचौली बनी हुई है। जिसके चलते केदारनाथ धाम यात्रा को स्थगित कर दिया गया है।

आज एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने बाधित चल रहे मार्ग का निरीक्षण कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली गयी। यहां पर यदि कुछ देर के लिए मार्ग आवागमन के लिए खुलता भी है तो वाहनों की आवाजाही के लिए काफी खतरनाक है। यहां पर सीधी खड़ी चट्टान होने के कारण मलबा पत्थर अचानक से आ रहा है तथा नीचे सड़क फिसलन भरी व रपटने वाली बनी हुई है।

एसपी रुद्रप्रयाग ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में मौसम के साफ होने तथा यहां पर आवागमन के पूर्ण रूप से सुचारु होने के उपरान्त ही यात्री वाहनों को आगे जाने दिया जायेगा। उनके द्वारा मौके पर मार्ग खुलने का इन्तजार कर रहे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहरने तथा मौसम के सही होने के बाद केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने की सलाह दी गयी है।

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने सभी सम्बन्धित विभागों को सतर्क रहने और आवश्यक तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने जानकारी दी कि भारत मौसम केंद्र देहरादून द्वारा क्षेत्र में आगामी तीन दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि यह निर्णय पूरी तरह से यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से लिया गया है। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग ने यात्रियों से अपील की है कि वे फिलहाल अपनी यात्रा को स्थगित करें और अपने घरों में सुरक्षित रहें। जो यात्री पहले से यात्रा पर हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रुकने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

उत्तराखंड में रिकॉर्ड तोड़ बारिश, स्कूल-कॉलेज बंद

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूं तो उत्तराखंड राज्य में लंबे समय से बारिश का दौर जारी है लेकिन अगस्त माह में जिस तरह से आसमान से आफत की बरसात हुई उसने सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुरूप राज्य में बीती रात से मूसलाधार बारिश हो रही है राजधानी दून सहित राज्य के 5 जिलों के लिए आगामी 48 घंटे के लिए रेड अलर्ट और शेष आठ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग द्वारा जारी इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह आपदा प्रबंधन की सभी टीमों के साथ 24 घंटे अलर्ट पर रहे तथा किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारी रखें। उन्होंने राज्य के लोगों से भी अपील की है कि वह अपनी सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से सतर्क रहें तथा नदी नालों से दूरी बनाकर रखें।

जिन जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है उसमें देहरादून, हरिद्वार, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर शामिल है। शेष सभी जिलों में भारी से भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आज पूरे राज्य में कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूलों व कॉलेजों में

●हाई अलर्ट पर सूबे का शासन-प्रशासन, आगामी 48 घंटे देवभूमि पर बहुत भारी , सभी जिलों के अधिकारियों को सतर्क किया

अवकाश रखा गया है तथा आंगनबाड़ी केंद्रो को बंद रखा गया है। राज्य के लोगों को इससे पूर्व कई क्षेत्रों में बादल फटने और भूस्खलन की खबरों के आने से पहले ही भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बीते 25 दिनों से गंगोत्री तथा 10 दिनों से यमुनोत्री धाम की यात्रा बंद पड़ी है। वहीं हर्षिल, धराली और थराली के बाद बागेश्वर में बादल फटने के कारण भयानक आपदा का सामना करना पड़ रहा है।

चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी के साथ ही टिहरी और नैनीताल व पिथौरागढ़ में बड़ी तबाही देखी गई है। पहाड़ों के दरकने व बादल फटने की घटनाओं ने पूरे राज्य के जनजीवन को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया है। लोगों के घर मकान व दुकानों को भारी नुकसान हो रहा है तथा बड़ी संख्या में जनहानि भी हो रही है। लेकिन अब सवाल यही है कि इस आपदा से मुक्ति कब और कैसे मिल सकेगी। मानसून की विदाई के लिए अभी एक सप्ताह से पूर्व के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।